साइबर सिक्योरिटी में उज्ज्वल है भविष्य

दूर संचार के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने वाला इंटरनेट माध्यम आज हर जगह पर मौजूद है। यहां तक की इस क्षेत्र में कैरियर की भी अपार संभावनाएं उपलब्ध। इंटरनेट जहां तमाम सुविधाओं का जरिया है, वहीं कई अपराधों की वजह भी है। इंटरनेट के जरिए फैल रहे ब्लैकमेलिंग और ठगी के व्यापार को काबू करने के लिए सरकार ने अलग विभाग का निर्माण किया है जिसमें रोजगार में लगातार मांग बढ़ रही है। इस विभाग को साइबर सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के नाम से जाना जाता है जिसका मुख्य काम होता है इंटरनेट पर मौजूदा डाटा की सुरक्षा करने और गलत हाथों में पड़ने से रोकना। साइबर क्राइम के अंतर्गत अपराध करने वालों को हैकर की श्रेणी में रखा जाता है। हैकर कई तरह से इंटरनेट को नुकसान पहुंचाते हैं। मसलन अलग-अलग तरीकों के जरिए वायरस जनरेट कर देना जो पूरे सिस्टम तक को इरेज कर दें।

क्या है काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल को कम्पनियों के नेटवर्किंग क्षेत्र में एथिकल हैकिंग का कार्य करना होता है। इसके तहत उसे सिक्योरिटी लूपहोल का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित करना होता है ताकि कोई हैकर उन तक न पहुंच पाएं। इसके अलावा, किसी संस्थान के लिए सिक्योरिटी पॉलिसी बनाना भी प्रोफेशनल का काम होता है। साइबर सिक्योरिटी विभाग के अंतर्गत २४ घंटे लगातार काम होता रहता है।

रोजगार की संभावना

साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में आपका भविष्य बेहद उज्ज्वल है। इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने का अर्थ है कि किसी भी नामी संस्थान में सम्मानपूर्वक ओहदा मिलना और साथ ही अच्छी-खासी आय भी। आने वाले समय में इंटरनेट का विकास लगातार होना है, ऐसे में साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल की मांग बढ़नी ही है।

शैक्षणिक योग्यता

साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए छात्र को किसी भी विषय से स्नातक होना अनिवार्य है। लेकिन अगर आप सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं तो आपको प्रमुखता दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान और हैकर की भांति सोचने-समझने की क्षमता भी जरूरी है। इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कई संस्थान साइबर सिक्योरिटी से जुड़े सर्टिफिकेट प्रोग्राम व लांग टर्म प्रोग्राम चला रहे हैं।

शुरूआती पारिश्रमिक

इस क्षेत्र में पद के अनुसार आय भी अच्छी है। शुरूआती स्तर पर एग्जीक्यूटिव प्रबंधक के तौर पर प्रवेश मिलता है। इसके बाद प्रबंधक मुख्य प्रबंधक , सिक्योरिटी एडवाइजर, चीफ इनफॉर्मेशन ऑफिसर के रूप में प्रमोशन मिलाता रहता है। इस क्षेत्र में यदि आपके पास एक साल का अनुभव है तो तीन लाख ०पये सालाना आय की उम्मीद कर सकते हैं। पांच साल तक का अनुभव होने पर आठ से दस लाख ०पये सालाना तक की आय हो जाती है। विदेशों में एक लाख ०पये तक मासिक तनख्वाह आम बात है।

मौकों से भरपूर है ऑटोमोबाइल क्षेत्र

देश भर में त्योहार का मौसम आते ही बाजार में आने वाले दिनों में नयी-नयी कारों व मोटरसाइकिलों की धूम मचने वाली है।

आज के इस बदलते परिवेश में जहां एक ओर लोग हर प्रकार के विलासिता की वस्तु का उपयोग कर रहे हैं। वहीं आज इसका चलन भी काफी बढ़ गया है। ऐसा ही एक क्षेत्र है ऑटोमोबाइल। ऑटोमोबाइल कंपनियों में आज कुशल प्रबंधकों व सहायकों की ज०रत को ध्यान में रखते हुए ही कुछ समय पहले कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री की मदद से ऑटोमोबाइल सर्विस और प्रबंधन का पाठ्यक्रम कई संस्थानों में शुरू किया गया है।

कैसे हो दाखिला

इस पाठ्यक्रम में दाखिला सिर्फ विज्ञान के ही छात्रों को नहीं बल्कि कला या कॉमर्स पढ़ने वाले युवाओं को भी दिया जाता है। इसमें मैकेनिकल की जगह मार्केटिंग का हुनर सिखाया जाता है। इसलिए छात्र को विज्ञान पढ़ा होना अनिवार्य शर्त नहीं है।

हां, कई जगहों पर दाखिला से पहले एक टेस्ट होता है जिसमें आईक्यू और अंग्रेजी भाषा व सामान्य ज्ञान की परख की जाती है। अगर विज्ञान की पृष्ठभूमि हो तो छात्र को समझने में थोड़ी और आसानी हो सकती है। लेकिन यह क्षेत्र ऐसा है जहां सभी विषयों के छात्रों का प्रवेश है।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

इस पाठ्यक्रम में क्लास रूम के तहत थ्योरी की पढ़ाई कराई जाती है। उसके बाद छात्रों को विभिन्न कार कंपनियों में इंटर्नशिप पर भेजा जाता है।

इसका उद्देश्य छात्रों को सेल्स और ऑटोमोबाइल मैनेजमेंट के हुनर सिखाना है। उन्होंने मोटर के सभी पार्ट्स की खासियत से रूबरू कराया जाता है।

छात्रों को किसी कार या बाइक के इंजन, ब्रेक, सार्कर, एक्सेल, सीट, गेट के बारे में जानकारी दी जाती है। उसमें लगे इलेक्ट्रिकल सामान, लाइट जैसे सभी पार्ट के बारे में बताया जाता है। उन्हें कस्टमर केयर में ग्राहकों को कैसे डील करना है, इसकी कला भी सिखाई जाती है। इसके लिए किताब ही काफी नहीं, लैब की भी मदद ली जाती है। छात्रों को ऑटोमोबाइल के लैब में प्रशिक्षित किया जाता है।

मोबाइल के जरिए आसान हो जाएगा विज्ञान

विज्ञान विषय एक ऐसा विषय होता है जो सभी विद्यार्थियों को परेशान करता रहता है। जिसके बारे में सोचकर अच्छे-अच्छों को नींद आने लगती है। साइंस के फंडे और फॉर्मूले ऐसे होते हैं कि उन्हें रटे बिना काम ही नहीं बनता। शायद आपके साथ भी कभी टीचर ने इस विषय को लेकर काफी गुस्सा किया होगा। विज्ञान को याद रखने के लिए आज काफी सारे खोज किए गए हैं। जी हां एंड्रॉएड हैंडसेट से आपको विज्ञान से जुड़े सारे सवाल मिल जाएंगे। आइए जानें।

बुनियादी कैमिस्ट्री

कैमिस्ट्री से प्यार करने के लिए उसके बेसिक्स समझना बहुत जरूरी है। तुम्हारे टीचर यह कहते होंगे कि तुम्हारे बेसिक्स क्लियर नहीं हैं। अगर ऐसा तुम्हें लगता है तो तुम यह एप इंस्टॉल कर सकते हो। इससे तुम्हारी कई कंफ्यूजन दूर होंगे और कैमिस्ट्री बाएं हाथ का खेल लगने लगेगी।

कैमिस्ट्री की डिक्शनरी

कैमिस्ट्री एक ऐसा सब्जेक्ट है, जिसमें वोकैब बड़े कठिन होते हैं। कई शब्द तो ऐसे होते हैं, जिनके बारे में तुमने सुना भी नहीं होगा। बस इतनी सी बात, तुम डाउनलोड कर सकते हो कैमिस्ट्री डिक्शनरी। यह एक ऐसा एप है, जिसमें तुम पूरी दुनिया के कैमिस्ट्री के शब्द डाल दोगे, तब भी यह तुम्हें एक सेकेंड में उसका मतलब बेहद आसान शब्दों में समझा देगा।

कैमिस्ट्री फॉर्मूला की गणना

अगर तुम्हें फॉर्मूले की गणना करने में मुश्किल आ रही है तो इस एप की मदद ले सकते हो। यह एप गणना के अलावा कई कैटेगरी में खोला जा सकता है और इसमें गैस, लिक्विड और सॉल्यूशन की आसान टेबल भी दी गई है। इस एप को इंस्टॉल करने का तरीका बिल्कुल हेल्पर की तरह ही है।

कैमिस्ट्री हेल्पर

कैमिस्ट्री को आसान बनाने के लिए यह एजूकेशन एप बहुत मजेदार है। यह फॉर्मूले, चेन्स, मॉलिक्यूल और कंपाउंड को बेहद आसान तरीके से तुम्हें समझा देगा। वैसे भी ये सब टॉपिक छठी क्लास से ही शुरू हो जाते हैं तो बेसिक्स क्लियर होना बहुत जरूरी हो जाता है। इसे तुम कैमिस्ट्री का विकिपीडिया मान सकते हो। यह एक मुफ्त एप है और तुम इसे इंस्टॉल कर सकते हो। इस एप पर क्लिक करो और हरे बॉक्स में लिखे इंस्टॉल पर क्लिक कर दो। यह एप चंद सेकेंड में डाउनलोड हो जाएगा।

अनुवादक के तौर पर बनाएं सुनहरा भविष्य

वर्तमान समय बदलाव का समय है। इसमें हर चीज की बढ़ोत्तरी हो रही है। एक-दूसरे को जोड़ने और परस्पर संवाद स्थापित करने में अनुवाद की भूमिका ने युवाओं को कैरियर की एक नई राह दिखाई है। विदेशी फिल्मों की हिन्दी या दूसरी भाषा में डबिंग हो या फिर फैशन की नकल, इंटीरियरे डेकोरेशन का काम हों या ड्रेस डिजाइनिंग अनुवाद की हर जगह जरूरत पड़ रही है। यहां तक कि संसद की कार्यवाही का आम जनता तक पलक झपकते पहुंचाने का काम भी अनुवाद के जरिए ही संभव हो पाता है। इस क्षेत्र में आकर कोई अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अच्छा खासा पैसा कमा सकता है।

अनुवादक का कार्य: अपनी मर्जी के मुताबिक अनुवादक इसे कई बार शुद्धीकरण के बाद पूरा कर सकता है। इंटरप्रेटेशन यानी भाषांतरण एक भाषा का दूसरी भाषा में मौखिक रूपांतरण है। इसे करने वाला अनुवादक कहलाता है। अनुवादक का काम तात्कालिक है। वह किसी भाषा को सुनकर, समझकर दूसरी भाषा में तुरंत उसका मौखिक तौर पर रूपांतरण करता है। इसे मूल भाषा के साथ मौखिक तौर पर आधा मिनट पीछे रहते हुए किया जाता है। बहुत कुछ यांत्रिक ढंग से भी होता है।

कैरियर: कैरियर के लिहाज से देंखे तो अनुवादक को लोकसभा में प्रथम श्रेणी के अधिकारी का दर्जा प्राप्त है। सरकारी के अलावा विदेशी कंपनियों को किसी देश में व्यवसाय स्थापित करने या टूरिस्ट को भी अनुवादक की जरूरत पड़ती है। अनुवाद की कला में दक्ष युवाओं के लिए आज विभिन्न सरकारी संस्थानों, निजी संस्थानों, कंपनियों और बैंकों में काम के कई अवसर हैं। सरकारी/प्राइवेट सेक्टर में मांग ज्यादातर राज्यों की राजभाषा और संपर्क भाषा होने के कारण हिन्दी अनुवादक की आज देश के विभिन्न सरकारी संस्थानों में आज सबसे अधिक मांग है।

पाठ्यक्रम: जहां तक पाठ्यक्रम का सवाल है, सरकारी संस्थानों में इसके लिए कोई कोर्स नहीं चल रहा है। दरअसल यह अनुवाद पाठयक्रम का ही एक हिस्सा है। अनुवादक बनने के लिए विश्वविद्यालयों में मूल तौर पर डिप्लोमा और डिग्री कोर्स है। डिप्लोमा एक साल का होता है। इसमें दाखिला लेने के लिए किसी भाषा में स्नातक होना जरूरी है। साथ ही, दूसरी भाषा के ज्ञान और पढ़ाई की भी मांग की जाती है। मसलन अंग्रेजी-हिन्दी डिप्लोमा कोर्स में दोनों भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है।

दाखिला: इसमें दाखिला के लिए छात्र ने किसी एक में स्नातक किया हो और साथ ही दूसरी भाषा भी पढ़ी हो। एमए करने वाले का मकसद अनुवादक बनने के अलावा अनुवाद के क्षेत्र में शोध और अध्यापन की ओर जाना होता है। कई विश्वविद्यालयों में अनुवाद में एमफिल और पीएचडी का भी कोर्स कराया जा रहा है।